की दृष्टि से प्राथमिकता प्रदान करने के संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और इस दिशा में क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) :(क) जी, हां ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) उपयोगिता में और सुधार लाए जाने के लिए उठाए गए कदमों में, अन्य बातों के अलावा, निम्नलिखित कदम शामिल हैं :—

(1) उच्च क्षमता उपकरणों के लिए हार्ट-सीट चेंज ।

(2) एकीकृत खान प्रबंधन पद्धति का क्रियान्वयन ।

(3) कार्यचालन पद्धति में सुधार ।

(4) कम्प्यूटरीकरण के जरिए अतिरिक्त कलपुर्जे प्रबंधन में सुधार ।

(5) कामगारों के प्रशिक्षण में सुधार ।

(6) सुधरी विस्फोटन प्रौद्योगिकी के साथ अधिकतम विखण्डन ।

(7) मरम्मत तथा अनुरक्षण के लिए आधुनिक संकल्पना शुरू किए जाने संबंधी पद्धति ।

(8) संचार, जिसमें वाकीटाकी सैट शामिल हैं, में सुधार ।

(घ) ओपेनकास्ट तथा भूमिगत खनन प्रौद्योगिकी का प्रयोग किए जाने के संबंध में जोकि किसी विशिष्ट भंडारों के कोयले की निकासी के लिए प्रयोग की जानी है, वह तकनीकी-आर्थिक मुद्दों पर निर्भर करती है । किसी विशिष्ट खनन तकनीक को अंगीकृत किए जाने के संबंध में निर्णय, जो किसी विशिष्ट भंडार के संबंध में लिया जाना है, उक्त के बारे में निर्णय विस्तृत तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन के बाद ही केवल निर्णय लिया जा सकता है । प्रत्येक खनन पद्धति के मामले में कभी-कभार पर्यावरणीय स्तरों से संबंधित सुरक्षा तथा अनुरक्षण ध्यान में रखे जाते हैं । किन्तु, बेहतर गुणवत्ता वाले कोयले की निकासी किए जाने के लिए भूमिगत खानों से उत्पादन में सुधार करने हेतु उच्च प्राथमिकता दी गई है ।

Coal reserves in Assam

3630. SHRI MATANG SINH: Will the Minister of COAL be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 1869 given in the Rajya Sabha on 7th March, 1994 and to state:

(a) whether the coal reserves in Assam and Bihar have been fully exploited;

(b) if not, the reasons therefor; and

(c) the steps taken to exploit the coal reserves fully ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) to (c) The coal production in various coalfields of the country (including Assam and Bihar) is planned with reference to the coal demand and other factors *viz,* techno-economics of coal mining operations, environmental considerations, financial resources and availability of infrastructure for evacuation etc.

Keeping all these factors in view coal production from CIL mines in Assam and in Bihar has been projected to increase from the present level of 67.78 million tonnes in 1992-93 (Assam—1.10 m.t., Bihar —66.68 m.t.) to about 87.20 million tonnes in 1996-97 (Assam—1.20 m.t., Bihar—86 m.t.).